Under CSR Support by ipca | Foundation

RIICO | missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा-11वीं राजस्थान बोर्ड 2027

ARJUN BATCH

इतिहास

बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएं

इतिहास का मानवतावादी दृष्टिकोण



Chapter 05 || Part -02

19 अगस्त 2026 || 03:00 PM

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

आज क्या पढ़ेंगे ?

1 विश्वविद्यालय और मानवतावाद

2 कलाकार और यथार्थवाद

रेनेसाँ / पुनर्जागरण

⇓

मानवतावाद → ऐहलौकिक जीवन

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



→ 14-12 शताब्दी के अंत

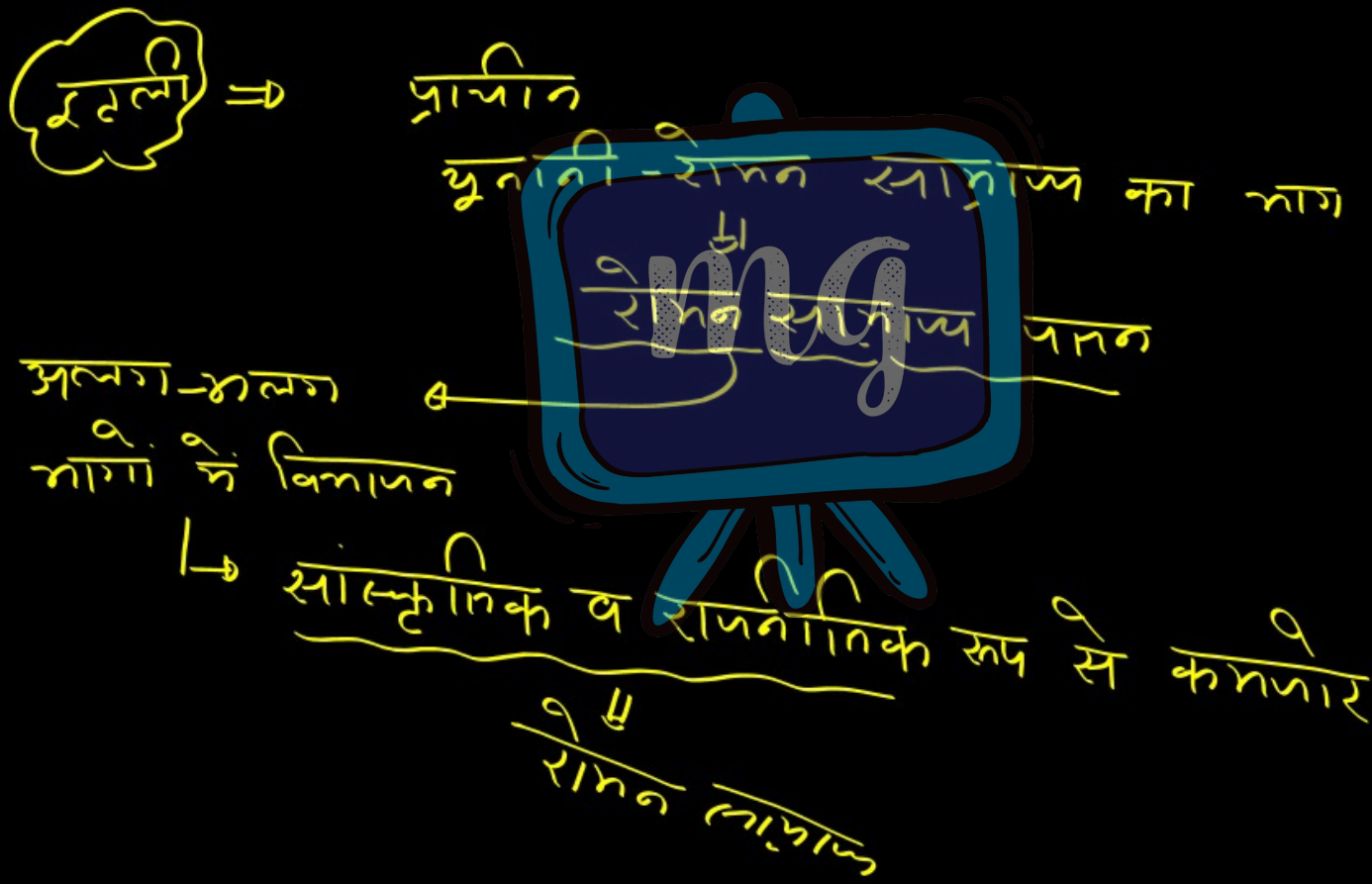
* विश्वविद्यालय या मानवतावाद

पुनर्जागरण → पेत्रार्क → 19 वीं शताब्दी (1860 ई.)

इटली → पुनर्जागरण का आरंभ → कारण

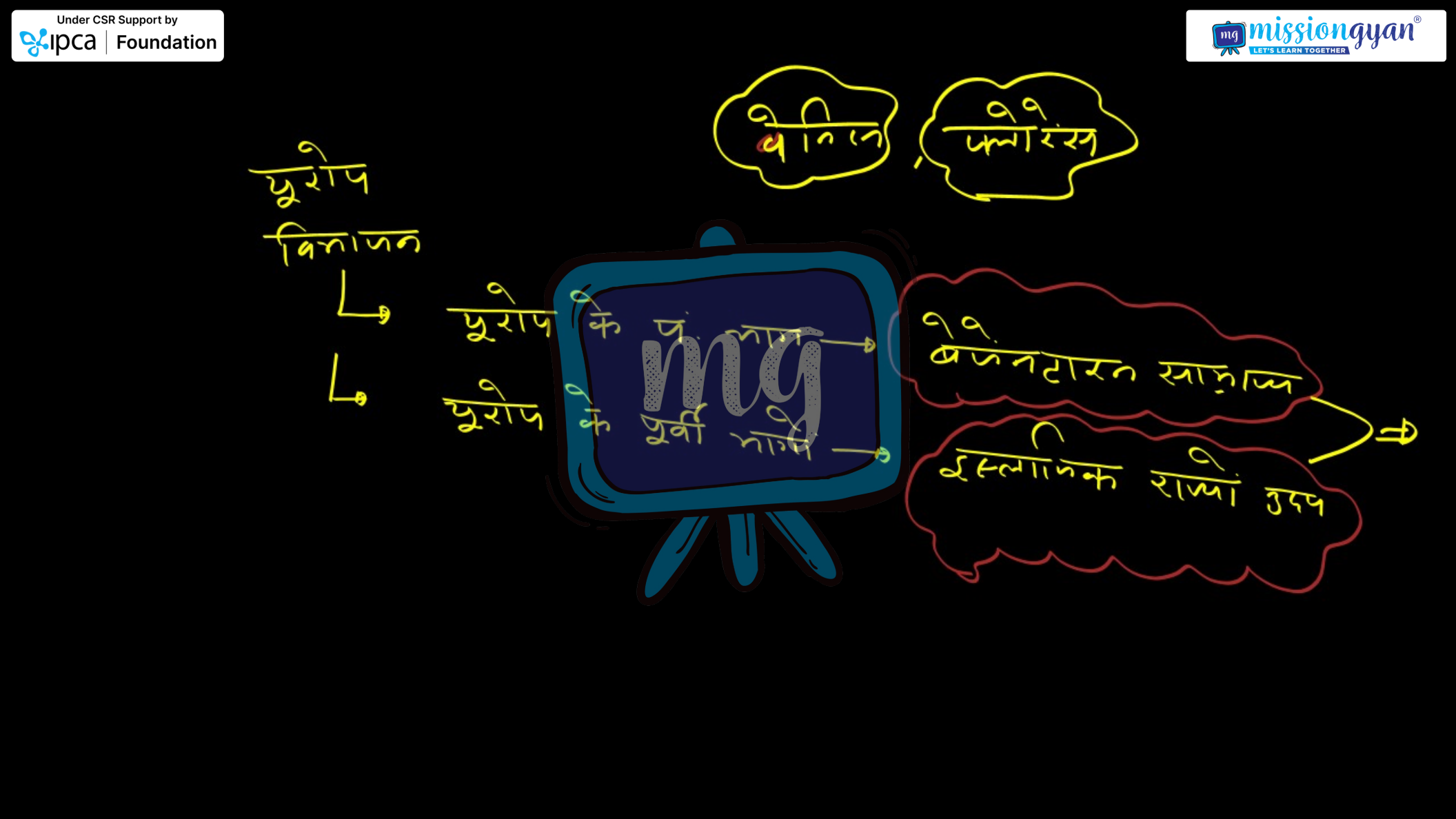
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

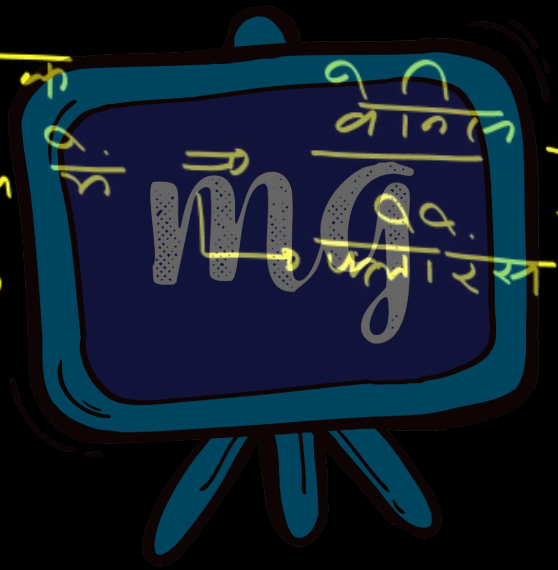


Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

देशान्तर रेखा → व्यापार (1)

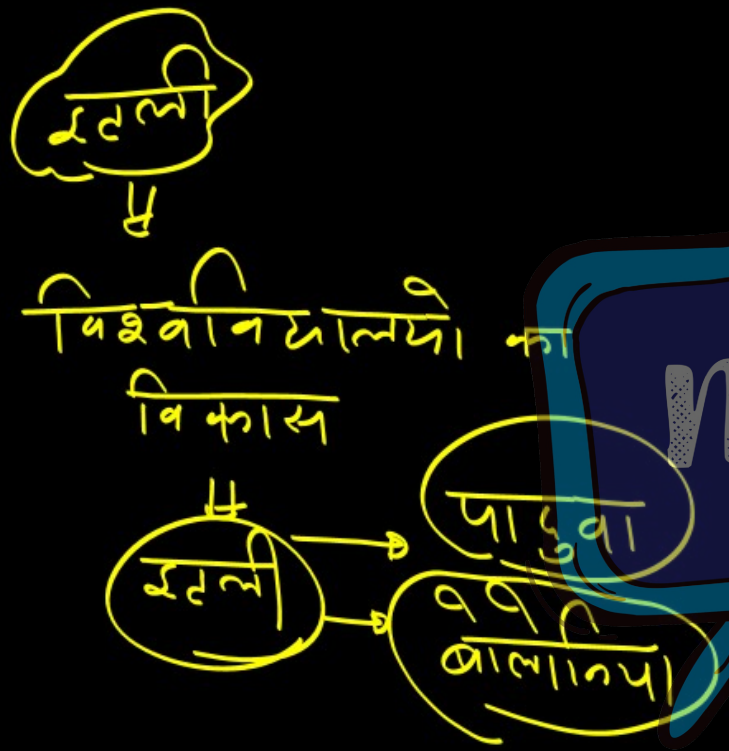
मुख्य व्यापारिक केंद्र के रूप में विकसित



→ बड़े व्यापारिक केंद्रों का विकास

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



विश्वविद्यालय और मानवतावाद

- यूरोप में सबसे पहले विश्वविद्यालय इटली के शहरों में स्थापित हुए।
- ग्यारहवीं शताब्दी से पादुआ और बोलोनिया विश्वविद्यालय विधिशास्त्र के अध्ययन केंद्र रहे।
- इन नगरों के प्रमुख क्रियाकलाप व्यापार और वाणिज्य संबंधी थे।
- इसलिए वकीलों और नोटरी की बहुत अधिक आवश्यकता होती थी ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- क्योंकि वे नियमों को लिखते, उनकी व्याख्या करते और समझौते तैयार करते थे।
- इनके बिना बड़े पैमाने पर व्यापार करना संभव नहीं था।
- यही कारण था कि कानून का अध्ययन एक प्रिय विषय बन गया।
- कानून को रोमन संस्कृति के संदर्भ में पढ़ा जाने लगा।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानवतावाद

- फ़्रांचेस्को पेट्रार्क इस परिवर्तन का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- पेट्रार्क के लिए पुराकाल एक विशिष्ट सभ्यता थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- जिसे प्राचीन यूनानियों और रोमनों के वास्तविक शब्दों के माध्यम से ही अच्छी तरह समझा जा सकता है।
- इस शिक्षा कार्यक्रम में यह अंतर्निहित था कि बहुत कुछ जानना बाकी है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

मानवतावाद

लैटिन भाषा

- यह सब हम केवल धार्मिक शिक्षण से नहीं सीखते।
- इसी नयी संस्कृति को उन्नीसवीं शताब्दी के इतिहासकारों ने 'मानवतावाद' नाम दिया।
- लातिनी शब्द 'ह्यूमेनिटास' से 'ह्यूमेनिटिज़' शब्द बना है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

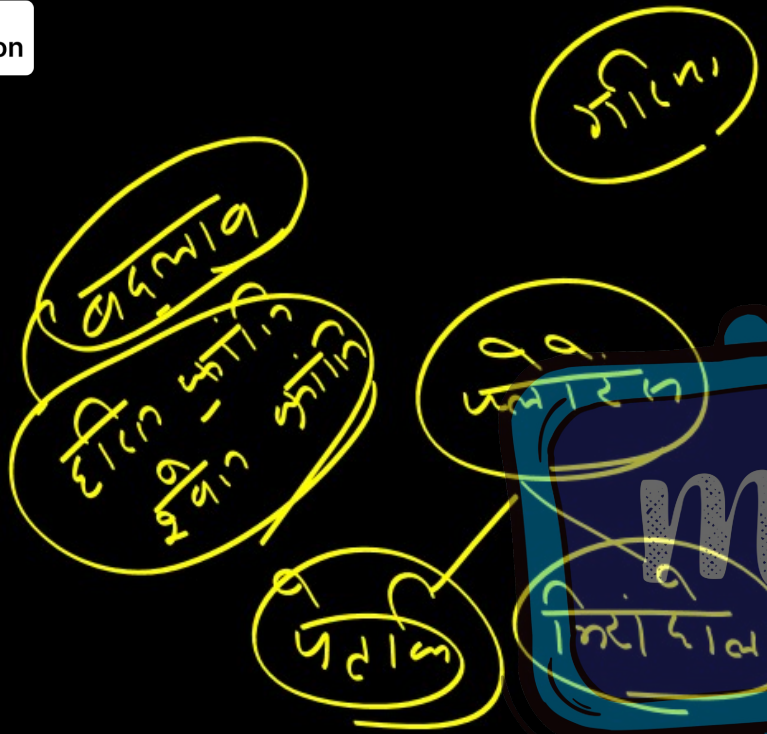
इटली

- इसे रोम के वकील तथा निबंधकार सिसरो ने, 'संस्कृति' के अर्थ में लिया था।
- सिसरो जूलियस सीजर का समकालीन था।



Under CSR Support by ipca | Foundation

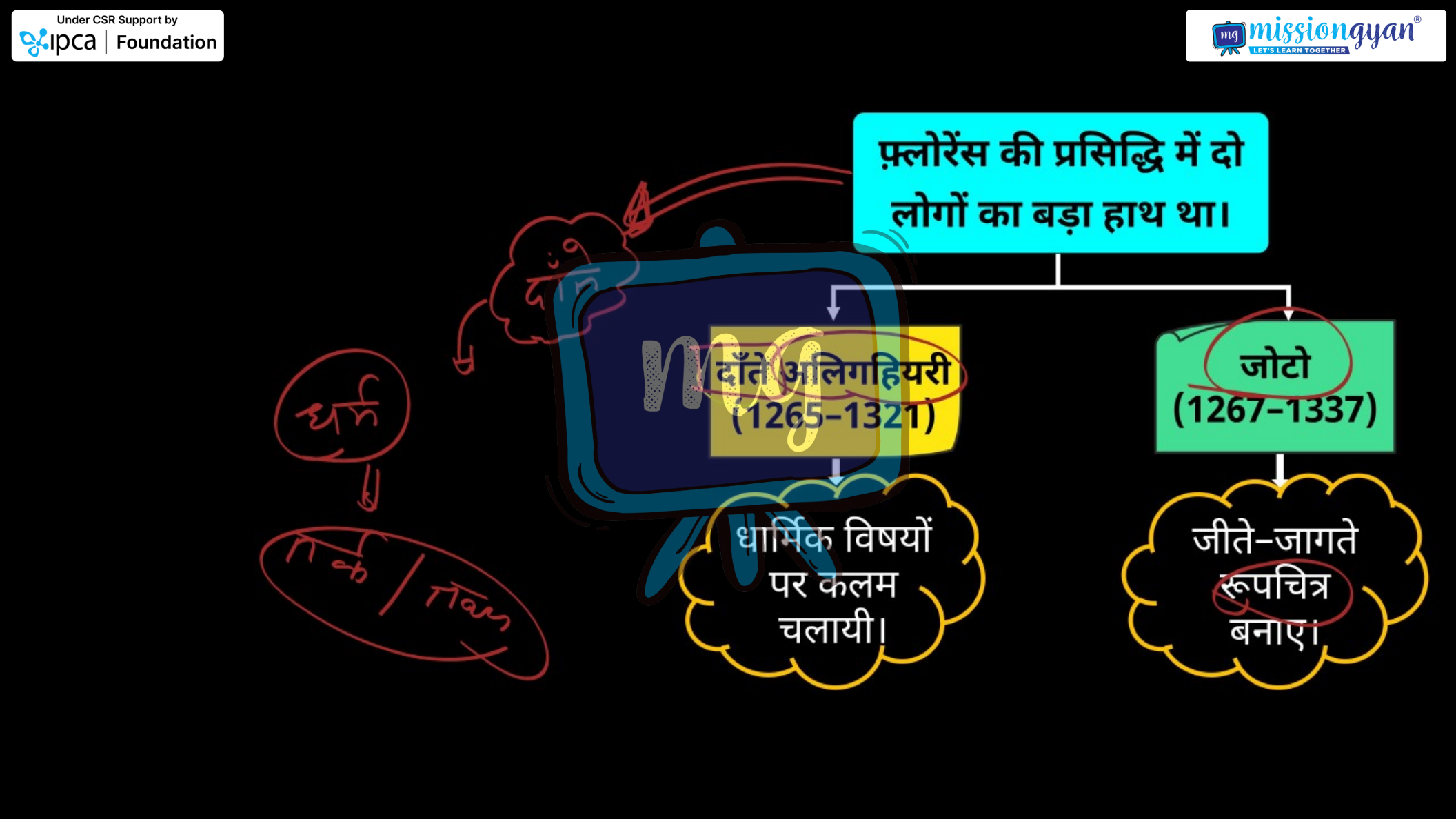
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



- इन क्रांतिकारी विचारों ने अनेक विश्वविद्यालयों का ध्यान आकर्षित किया।
- इनमें एक विश्वविद्यालय फ़्लोरेंस भी था जो पेट्रार्क का स्थायी नगर-निवास था।
- फ़्लोरेंस के मानवतावादी जोवान्ने पिको देल्ला मिरांदोला (1463-94) ने 'ऑन दि डिगनिटी ऑफ़ मैन (1486)' नामक पुस्तक लिखी।

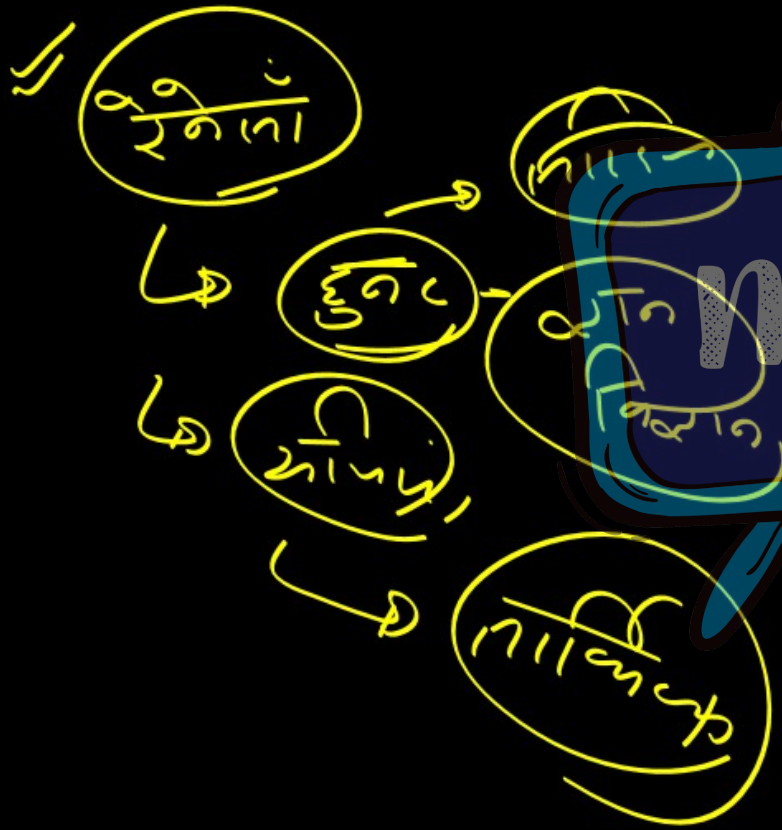
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



- 'रेनेसाँ व्यक्ति' शब्द का प्रयोग प्रायः उस मनुष्य के लिए किया जाता है जिसकी अनेक रुचियाँ हों और अनेक हुनर में उसे महारत प्राप्त हो।
- पुनर्जागरण काल में एक ही व्यक्ति विद्वान, कूटनीतिज्ञ, धर्मशास्त्रज्ञ और कलाकार हो सकता था।

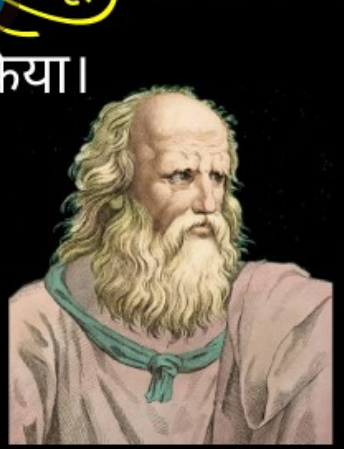
Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

यूरोप में विज्ञान, दर्शन और कला का विकास

विज्ञान और दर्शन-अरबीयों का योगदान

चौदहवीं शताब्दी में अनेक विद्वानों ने प्लेटो और अरस्तू के ग्रंथों के अनुवादों को पढ़ना शुरू किया।





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- अरबी भाषा में प्लेटो, अफलातून और एरिसटोटिल, अरस्तू नाम से जाने जाते थे।
- इसके लिए वे अरब के अनुवादकों के ऋणी थे।
- उन्होंने अतीत की पांडुलिपियों का अनुवाद किया था।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- ये ग्रंथ प्राकृतिक विज्ञान, गणित, खगोल विज्ञान, औषधि विज्ञान और रसायन विज्ञान से संबंधित थे।
- टॉलेमी का अलमजेस्ट ग्रंथ खगोल शास्त्र पर रचित है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- मुसलमान लेखकों में अरबी के हकीम और मध्य एशिया के बुखारा के दार्शनिक इब्न-सिना और आयुर्विज्ञान विश्वकोश के लेखक अल-राजी सम्मिलित थे।
- स्पेन के अरबी दर्शानिक इब्न रूश्द (1126-98) ने दार्शनिक ज्ञान (फैलसुफ़) और धार्मिक विश्वासों के बीच रहे तनावों को सुलझाने की चेष्टा की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उनकी पद्धति को ईसाई चिंतकों द्वारा अपनाया गया।
- मानवतावादी अपनी बात लोगों तक तरह-तरह से पहुँचाने लगे।
- मानवतावादी विषय धीरे-धीरे स्कूलों में पढ़ाया जाने लगा।
- यह सिर्फ इटली में ही नहीं बल्कि यूरोप के अन्य देशों में भी हुआ।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

कलाकार और यथार्थवाद

- कला, वास्तुकला और ग्रंथों ने मानवतावादी विचारों को फैलाने में प्रभावी भूमिका निभाई।
- प्राचीन रोम और उसके उजाड़ नगरों के खंडहरों में अनेक कलात्मक वस्तुएँ मिलीं।
- 1416 में दोनातल्लो (1386-1466) ने सजीव मूर्तियाँ बनाकर नयी परंपरा कायम की।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- कलाकारों द्वारा हूबहू मूल आकृति जैसी मूर्तियों को बनाने की चाह को वैज्ञानिकों के कार्यों से सहायता मिली।
- नर कंकालों का अध्ययन करने के लिए कलाकर आयुर्विज्ञान कॉलेजों की प्रयोगशालाओं में गए।
- बेल्जियम मूल के आन्ड्रीयस वेसेलियस (1514-64) पादुआ विश्वविद्यालय में आयुर्विज्ञान के प्राध्यापक थे।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- ये पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सूक्ष्म परीक्षण के लिए मनुष्य के शरीर की चीर-फाड़ की।
- इसी समय से आधुनिक शरीर-क्रिया विज्ञान का प्रारंभ हुआ।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- 'दि पाइटा' चित्र में माइकेल एन्जिलो ने मेरी को ईसा के शरीर को धारण करते हुए दिखाया है।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- लियोनार्डो दा विन्ची (1452-1519) ने मोना लीसा और द लास्ट सपर चित्रों की रचना की।
- उन्होंने एक उड़न-मशीन का प्रतिरूप बनाया।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER





Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- उन्होंने अपना नाम 'लियोनार्डो दा विन्ची, 'परीक्षण का अनुयायी' रखा।
- चित्रकारों ने मूर्तिकारों की तरह यथार्थ चित्र बनाने की कोशिश की।
- उन्हें अब रेखागणित और त्रि-आयामी का ज्ञान हो चूका था।
- लेप चित्र के लिए तेल के प्रयोग ने चित्रों को अधिक रंगीन और चटख बनाया।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan®
LET'S LEARN TOGETHER

- शरीर विज्ञान, रेखागणित, भौतिकी और सौंदर्य की उत्कृष्ट भावना ने इतालवी कला को नया रूप दिया
- इसे बाद में 'यथार्थवाद' कहा गया।